| PUBLICATION NAME : | Raj Express |
|---|---|
| EDITION: | Ujjain |
| DATE : | 03/06/2023 |
| PAGE NO. | 1 |

# महिलाओं की उद्यमिता में मेहनत से उनका आत्मविश्वास बढ़ा : राज्यपाल मंगू भाई पटेल

## राज्यपाल ने राष्ट्रीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का किया शुभारम्भ

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि महिलाओं ने उद्यमिता के क्षेत्र में जो मेहनत की है, इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। हमारी मातृ शक्ति की पहचान संकल्प और शक्ति है। वह लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं के विकास के विजन को लेकर आगे बढ़ रहा है। इस बार का केंद्रीय बजट भी इसी बात को रेखांकित करता है। महिलाओं को जी-20 के माध्यम से वैश्विक मंच मिल रहा है। आज विकास के मामले में पांच उद्यमियों में से एक उद्यमी महिला उभरकर सामने आ रही है। महिलाओं के आर्थिक विकास के मामले में स्व. सहायता समूह ने उल्लेखनीय कार्य किया है। कई वंचित वर्ग की महिलाओं ने अपने आप को साबित करते हुए न केवल परिवार बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दिया है। स्व सहायता ग्रुप में जो बेटियां व बहने आगे बढ़ रही हैं वह पारिवारिक जिम्मेदारी का निर्वहन भी कर रही है। केंद्र शासन द्वारा मुद्रा एवं स्टार्टअप योजनाओं से महिलाओं के विकास के नए आयाम खोल दिए हैं। इसके पूर्व राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग के राज्यमंत्री डॉ. मुंजपारा महेन्द्रभाई, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री रेखा शर्मा व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विक्रम कीर्ति मन्दिर में भारतीय उद्यमिता संस्थान एवं राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बोलते हुए केंद्रीय बाल महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मुंजपारा महेंद्रभाई ने कहा की केंद्र सरकार महिलाओं के विकास का एजेंडा लेकर चल रही है। उनके सशक्तिकरण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है ऐसा इकोसिस्टम विकसित करने की जिससे महिला उद्यमियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की जा सके। केंद्र शासन की मुद्रा योजनाए स्टार्टअप योजना व प्रधानमंत्री जनधन खातों ने महिलाओं को सशक्त करने में उल्लेखनीय कार्य किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री रेखा शर्मा ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है, यदि इन्हें हम पीछे छोड़ देंगे तो आर्थिक प्रगति बाधित होगी। आज भारत में स्टार्टअप में महिलाएं सबसे आगे हैं। यही नहीं साठ प्रतिशत महिलाएं ऋण लेकर उद्यम चला चला रही है। भारत सरकार ने भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रखी है। आवश्यकता है तो महिलाओं के लिए नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म की, जहां पर वे अपनी बात रख सकें। साथ ही इनके मेंटरशिप की भी अत्यधिक आवश्यकता है। भारतीय उद्यमिता संस्थान के संचालक सुनील शुक्ला ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से भारत का विकास हो रहा है, उसमें महिलाओं की भागीदारी स्पष्ट रूप से दिख रही है। उद्यमिता संस्थान 40 वर्षों से लगातार देश में कार्य कर रहा है। महिलाओं में चेतना आई है। इसके कारण से वे उद्यमिता में आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमी पैदा नहीं होते, बनाये भी जाते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर उनका संस्थान कार्य कर रहा है।